

स्वचालति आयुध प्रणालियाँ: चुनौतियाँ एवं अवसर

यह एडिटरियल 15/11/2023 को 'इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित ["India, 'killer robots' and the China challenge"](#) लेख पर आधारित है। इसमें भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और वदेश नीति के लिये स्वचालति घातक आयुध प्रणालियों (LAWS), जनिहें 'कलिर रोबोट्स' के रूप में भी जाना जाता है, के विकास एवं तैनाती के नहितिारथों के बारे में चर्चा की गई है।

प्रलमिस के लयि:

[कृत्रमि बुद्धमित्ता](#), स्वचालति घातक आयुध प्रणालियाँ (LAWS), स्वचालति घातक आयुध प्रणालियों में कृत्रमि बुद्धमित्ता (AI) की भूमिका।

मेन्स के लयि:

स्वचालति घातक आयुध प्रणालियाँ (LAWS): भारत के लयि लाभ, चुनौतियाँ, स्थिति और आगे की राह।

अन्य महत्त्वपूर्ण तकनीकी प्रगतियों के ही समान [कृत्रमि बुद्धमित्ता \(Artificial Intelligence- AI\)](#) भी वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से नागरिक एवं सैन्य दोनों क्षेत्रों में ज़रिमिदार उपयोग के संबंध में महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करती है। जबकि नागरिक अनुप्रयोगों में AI के वनियमन एवं प्रसार के संबंध में वमिर्श ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगतिकी है, अब इसके सैन्य उपयोग के बारे में चर्चा भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गति प्राप्त कर रही है AI के सैन्य उपयोग पर, विशेष रूप से स्वतंत्र संचालन में सक्षम स्वचालति हथियारों के संबंध में कठोर सीमाओं की वकालत करने वाली वैश्विक आम सहमतिबद्ध रही है। इसके साथ ही, वशि्व की प्रमुख शक्तियाँ AI के माध्यम से आयुध प्रणालियों के स्वचालन में वृद्धि के तेज़ी से विकास हेतु भारी नविश कर रही हैं।

स्वचालति घातक आयुध प्रणालियाँ क्या हैं?

- स्वचालति घातक आयुध प्रणालियाँ (Lethal autonomous weapons systems- LAWS), जनिहें 'कलिर रोबोट्स' के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रकार की स्वचालति सैन्य प्रणाली है जो बनिा किसी मानवीय हस्तक्षेप के लक्ष्य का चयन करने और उस पर हमला करने की क्षमता रखती है।
- वे हवा में, भूमि पर, जल पर, जल के नीचे या अंतरिक्ष में कार्य कर सकती हैं।
- स्वचालति हथियार प्रणाली को किसी वशिषिट 'टारगेट प्रोफाइल' पर हमले के लयि प्री-प्रोग्राम कयिा गया होता है।
 - इस हथियार को फरि ऐसे वातावरण में तैनात कयिा जाता है जहाँ यह [चेहरे की पहचान \(facial recognition\)](#) जैसे सेंसर डेटा का उपयोग कर उस 'टारगेट प्रोफाइल' की खोज करती है।
- 'LAWS' वविदास्पद हैं और नैतिक, वधिकि एवं मानवीय चत्तिओं की वृद्धिकरते हैं।



LAWS में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की क्या भूमिका है?

- **आयुध प्रणालियों में स्वचालन:** स्वचालित आयुध प्रणालियों को मानव अभिकर्ता के निर्देश या इनपुट के बिना अपने कार्य करने के लिये स्वचालन या स्वायत्तता की आवश्यकता होती है। यह स्वायत्तता दो दृष्टिकोणों से प्राप्त की जा सकती है:
 - **पूर्व-परिभाषित कार्यों के माध्यम से:** इसमें वर्तमान परिेश के आधार पर वास्तविक समय में निर्णय लेने की आवश्यकता के बिना विशिष्ट कार्य करने के लिये निर्देशों के एक समूह के साथ सिस्टम का प्रोग्रामिंग करना शामिल है।
 - **AI के माध्यम से:** इसमें डेटा से व्यवहार प्राप्त करने के लिये AI टूलस या साधनों का उपयोग करना शामिल है। सिस्टम प्राप्त डेटा से सीख ग्रहण करता है, जिससे उसे निर्णय लेने या अपने व्यवहार को स्वतंत्र रूप से अनुकूलित करने की अनुमति मिलती है।
- **एक सक्षमकर्ता (Enabler) के रूप में AI:** स्वचालित आयुध प्रणालियों के कार्यकरण के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोई पूर्व-शर्त नहीं है, लेकिन, जब इसे शामिल किया जाता है तो AI ऐसी प्रणालियों को और अधिक सक्षम कर सकता है।
 - दूसरे शब्दों में, सभी स्वचालित आयुध प्रणालियाँ विशेष कार्यों को निष्पादित करने के लिये AI को शामिल नहीं करती हैं।
- **सहायक भूमिका में AI:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग उन प्रणालियों में सहायक भूमिका में भी किया जा सकता है जो प्रत्यक्ष रूप से मानव द्वारा संचालित होती हैं।
 - उदाहरण के लिये, मानव द्वारा संचालित एक कंप्यूटर वज़िन सिस्टम वज़िन फील्ड में स्थिति उल्लेखनीय वस्तुओं की पहचान करने और उनकी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिये (उन वस्तुओं पर किसी भी प्रकार स्वचालित रूप से प्रतिक्रिया करने की क्षमता के बिना) कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नियोजित कर सकता है।

स्वचालित घातक आयुध प्रणालियों (LAWS) के क्या लाभ हैं?

- **बल गुणक और युद्धक्षेत्र वसितार:**
 - LAWS बल गुणक (Force Multiplier) के रूप में कार्य कर सैन्य प्रभावशीलता को बढ़ा सकती हैं। वे संभावित रूप से कार्यों को स्वचालित रूप से पूरा कर सकती हैं, जिससे मानव बलों को रणनीतिक योजना और निर्णय लेने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिलती है।
 - LAWS अतिरिक्त क्षमताएँ और कवरेज प्रदान कर युद्धक्षेत्र का वसितार कर सकती हैं, जिससे सैन्य अभियानों के लिये अधिक व्यापक दृष्टिकोण सक्षम हो सकता है।
- **संसाधन आवंटन दक्षता:**
 - LAWS में प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक्स और कार्मिकों से जुड़ी लागत को कम कर संसाधन आवंटन दक्षता (Resource Allocation Efficiency) में सुधार लाने की क्षमता है।
 - स्वचालित प्रणालियाँ आराम या व्यापक प्रशिक्षण की आवश्यकता के बिना वसितारित अवधितक कार्य कर सकती हैं।
- **हताहतों की संख्या और मानवीय पीड़ा को कम करना:**
 - LAWS ऐसे जोखिम भरे कार्य कर या खतरनाक स्थितियों में शामिल होकर अपने स्वयं के सैन्य बलों के लक्षित हताहतों की संख्या को कम करने में योगदान दे सकती है जहाँ प्रत्यक्ष मानवीय संलग्नता से अधिक कर्मी हताहत हो सकते हैं।
- **सूचना एकत्रीकरण और निर्णयन में सुधार:**
 - उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर और एल्गोरिदम से लैस LAWS सूचना एकत्र करने, पता लगाने और निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ा सकती है।
 - वे डेटा की बड़ी मात्रा को तेज़ी से संसाधित कर सकती हैं और कमांडरों को अधिक सटीक और समयबद्ध सूचनाएँ प्रदान कर सकती हैं।

LAWS से संबद्ध प्रमुख मुद्दे

- **नैतिक मुद्दे:** घातक बल का उपयोग करने का नर्णय एल्गोरिदम को सौंपने से इस संबंध में महत्त्वपूर्ण सवाल खड़े होते हैं **कसियायत हथियारों द्वारा बल के उपयोग के लिये**, विशेष रूप से अप्रत्याशिता की ओर उनकी प्रवृत्तियों को देखते हुए, **अंततः कौन ज़िम्मेदार और जवाबदेह होगा।**
- **कानूनी मुद्दे:** LAWS अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून एवं मानवाधिकार कानून के अनुपालन के संबंध में—जैसे कि भेद, आनुपातिकता एवं एहतियात के सिद्धांत (principles of distinction, proportionality and precaution), साथ ही उल्लंघन के लिये जवाबदेही तंत्र, चुनौतियाँ पेश करती हैं।
 - संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस (António Guterres) इस बात से सहमत हैं कि "मानव संलग्नता के बिना लोगों की जान लेने की शक्ति और वविक रखने वाली मशीनें राजनीतिक रूप से अस्वीकार्य एवं नैतिक रूप से प्रतिकूल हैं और इन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा प्रतर्बिधति कथिा जाना चाहिये।"
- **तकनीकी मुद्दे:** LAWS त्रुटियों, वफिलताओं और कमज़ोरियों (जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संसर और एल्गोरिदम की मज़बूती, वविकनीयता एवं प्रतिकूल प्रत्यास्थता की कमी) के अधीन हैं जो उनकी वविवसनीयता, अहानिकारकता और सुरक्षा को कम कर सकते हैं।
- **सुरक्षा संबंधी मुद्दे:** LAWS बल के उपयोग की सीमा को कम कर, युद्ध के दायरे एवं पैमाने का ववित्तर कर और हमलों एवं जवाबी कार्रवाइयों के नए रूपों को सक्षम कर सशस्त्र संघर्ष, तनाव और सैन्य प्रसार के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

स्वचालित हथियारों पर संयुक्त राष्ट्र का रुख

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हाल ही में स्वचालित स्वायत्त हथियारों से संबंधित एक प्रस्ताव पर मतदान किया है।
- इस प्रस्ताव को व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ **जहाँ 164 देशों ने इसके पक्ष में और 5 ने वविक्ष में मतदान किया, जबकि 8 देश अनुपस्थिति रहे।**
 - प्रमुख सैन्य शक्तियों के बीच मतदान का पैटर्न अलग-अलग रहा, जहाँ अमेरिका और उसके सहयोगियों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, चीन ने मतदान में भाग नहीं लिया जबकि भारत ने इसके वविक्ष में मतदान किया।
- संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वचालित हथियारों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने का आग्रह किया।
- प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र महासचिव से एक रिपोर्ट की मांग की गई जहाँ विशेष रूप से सरकारों और नागरिक समाज समूहों के वविकारों को ध्यान में रखा जाए।

स्वचालित हथियारों के क्क्षेत्र में वविवन्न देश क्या कर रहे हैं?

- **संयुक्त राज्य अमेरिका:** स्वचालित हथियारों के विकास में अमेरिका एक प्रमुख खिलाड़ी है। **इसने मानवरहित प्रणालियों की तैनाती की है (नौसेना के जहाज़ों सहित) और आने वाले वर्षों में अपने मानवरहित जहाज़ों के बड़े का ववित्तर करने की योजना रखता है।**
 - अमेरिकी सैन्य शाखाएँ— जैसे कि नौसेना, वायु सेना और थल सेना, ड्रोन प्रणालियों में नविश कर रही हैं और मानवयुक्त एवं मानवरहित दोनों प्रणालियों को शामिल करते हुए संयुक्त अभियानों के प्रयोग कर रही हैं।
 - पेंटागन (Pentagon) ने स्वचालित हथियारों के उपयोग पर मानव नर्णय के महत्त्व पर बल देते हुए **AI को रक्षा प्रबंधन में एकीकृत करने के लिये वविवन्न संस्थानों की स्थापना की है।**
- **चीन:** चीन ने **बुद्धिमत्ता संपन्न (intelligentized) पीपुल्स लबिरेशन आर्मी (PLA) के नर्माण में AI को प्राथमिकता दी है।** चीन इन्वेंटरी प्रबंधन, रखरखाव, लॉजिस्टिक्स, टोही कार्य (reconnaissance), नगरानी और युद्ध सहित वविवन्न सैन्य कार्यकरणों में AI को तैनात कर रहा है।
 - चीन की उल्लेखनीय औद्योगिक क्षमता और संसाधनों पर केंद्रीकृत नर्णय उसे तेज़ गति से स्वचालित हथियारों का नर्माण कर सकने की अनुमति देता है।
 - अमेरिका AI प्रौद्योगिकी में बढ़त बनाए रखने के महत्त्व को चहिनति करते हुए AI विकास में सक्रिय रूप से चीन से आगे बने रहने की कोशिश कर रहा है।
- **भारत:** भारत भी स्वचालित हथियारों के क्क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, जो वैश्विक मुद्दों पर उसके व्यावहारिक दृष्टिकोण का संकेत देता है। स्वचालित हथियारों पर UNGA में नकारात्मक मतदान के बावजूद भारत राष्ट्रीय रक्षा योजनाओं में, विशेष रूप से चीन के साथ **सैन्य असंतुलन को देखते हुए AI के महत्त्व को चहिनति करता है।** जबकि भारत AI में शक्ति रखता है, वह स्वीकार करता है कि इस तकनीक के सैन्य अनुप्रयोग में वह अमेरिका और चीन से पीछे है।

LAWS के संबंध में अपनी क्षमताएँ बढ़ाने के लिये भारत को क्या करना चाहिये?

- **रक्षा के लिये राष्ट्रीय AI क्षमताओं में नविश करना:**
 - प्रमुख AI वज्जान के नर्माण के लिये पर्याप्त संसाधन आवंटित करें।
 - AI से संबंधित प्रौद्योगिकीय क्षमताओं की एक व्यापक शृंखला विकसित करें।
 - परचालनात्मक सैन्य सिद्धांत स्थापित करें जो AI को भारतीय रक्षा प्रबंधन और सशस्त्र बलों में प्रभावी ढंग से एकीकृत करें।
- **अमेरिका के साथ प्रौद्योगिकीय साझेदारी बढ़ाना:**

- अमेरिका के साथ बढ़ती प्रौद्योगिकीय साझेदारी, विशेष रूप से AI के क्षेत्र में, का लाभ उठाएँ।
- AI क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिये संयुक्त पहल और परियोजनाओं पर सहयोग का निर्माण करें।
- **अंतरराष्ट्रीय मानदंड को आकार देना:**
 - अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को आकार देने की परंपरा को, विशेष रूप से उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में, जारी रखें।
 - AI के उत्तरदायित्वपूर्ण सैन्य उपयोग के लिये वैश्विक शासन विकसित करने हेतु समान विचारधारा वाले देशों के साथ मिलकर कार्य करें।
- **उत्तरदायित्वपूर्ण AI उपयोग पर सहयोग:**
 - AI का उत्तरदायित्वपूर्ण सैन्य उपयोग सुनिश्चित करने के लिये अन्य देशों के साथ सहयोग करें।
 - स्वचालित हथियारों की तैनाती में मानव नियंत्रण और नरीक्षण को शामिल करने का पक्षसमर्थन करें।
- **संस्थानों का निर्माण:**
 - रक्षा क्षेत्र में AI अनुसंधान, विकास और कार्यान्वयन के लिये समर्पित संस्थानों की स्थापना करें।
 - AI से संबंधित मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिये मौजूदा ढाँचे को सुदृढ़ करें।
- **कूटनीति से संलग्नता:**
 - AI शासन पर अन्य देशों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने के लिये कूटनीतिक प्रयासों में सक्रिय रूप से संलग्न रहें।
 - रक्षा क्षेत्र में AI के नैतिक उपयोग के लिये विचार-वमिश्र और दशानिर्देश तय करने के लिये अंतरराष्ट्रीय मंचों में भागीदारी करें।

नषिकरष

चीन के साथ वृहत सैन्य असंतुलन और हमिलय क्षेत्र एवं समुद्री क्षेत्र में देश के लिये मौजूद चुनौतियों को देखते हुए, भारत की राष्ट्रीय रक्षा योजनाओं में AI को आवश्यक रूप से एक महत्त्वपूर्ण अंग होना चाहिये।

अभ्यास प्रश्न: स्वचालित घातक आयुध प्रणालियों (LAWS) से जुड़े लाभों एवं चुनौतियों का मूल्यांकन कीजिये। ऐसे कार्रवाई योग्य कदमों के प्रस्ताव कीजिये जो भारत LAWS पर अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिये उठा सकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष प्रश्न (PYQ)

????????

प्रश्न. विकास की वर्तमान स्थिति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) नमिनलखिति में से कसि कार्य को प्रभावी रूप से कर सकती है? (2020)

1. औद्योगिक इकाइयों में वदियुत की खपत कम करना
2. सार्थक लघु कहानियों और गीतों की रचना
3. रोगों का नदिान
4. टेक्स्ट से स्पीच (Text-to-Speech) में परविरतन
5. वदियुत ऊर्जा का बेतार संचरण

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1, 2, 3 और 5
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)